जो भी दरबार से पाया वो सब तुम्हारा है भजन लिरिक्स

जो भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है,
तेरे रहते मेरे बाबा,
ना कोई हारा है,
जों भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है।bd।

तर्ज – जो भी दरबार में आया।

मेरे मालिक मेरे ठाकुर,
तेरा जवाब नहीं,
तेरी किरपा का मेरे बाबा,
कोई हिसाब नहीं,
झूठी माया झूठी काया,
ये भ्रम हमारा है,
जों भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है।bd।

तुझको आवाज देके बाबा,
क्यों बुलाऊँ मैं,
हर घडी हर जगह पे बाबा,
तुझको पाऊं मैं,
मेरी धड़कन मेरी सांसो,
पे हक़ तुम्हारा है,
जों भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है।bd।

मेरी खुशियां मेरी दुनियां,
मेरी पहचान है तू,
जो ना चाहा वो भी पाया,
मेरी मुस्कान है तू,
बिन तेरे 'श्याम' का जहाँ में,
ना गुजारा है,
Bhajan Diary Lyrics,
जों भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जो भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है,
तेरे रहते मेरे बाबा,
ना कोई हारा है,
जों भी दरबार से पाया,
वो सब तुम्हारा है।bd।

Singer – Amol Shubham Parashar

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com